बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

28 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 203
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कुख्यात वाल्मिकी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

●करोड़ो की संपत्ति एवं पार्किंगो को कब्जाने में थे सक्रिय ●प्रवीण वाल्मिकी गैंग अब तक कर चुका है कई हत्याये

हमारे संवाददाता

देहरादून। कुख्यात प्रवीण वाल्मिकी गैंग के एक पार्षद सहित दो बदमाशों को एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी दोनो बदमाश करोड़ों की सम्पत्ति व पार्किंगों को कब्जाने में सक्रिय थे। वाल्मिकी गैंग अब तक कई हत्या की घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि पिछले कुछ माह पहले एसटीएफ को सूचना मिली कि प्रवीण वाल्मीकी जो कि पूर्व में कुख्यात सुनील राठी गैंग का सदस्य रह चुका है और हरिद्वार में कई प्रकार के संगीन अपराधों जैसे हत्या, रंगदारी आदि को घटित कर चुका है और वह वर्तमान में सितारगंज जेल में रहते हुए भी अपने गुर्गो के माध्यम से हरिद्वार में पार्किंग के ठेके के अलावा लोगों को डरा धमकाकर उनकी बेशकीमती जमीनों को अवैध रुप से विक्रय कर रहा है और भारी मात्रा में इस धंधे से पैसे प्राप्त कर रहा है। सूचना पर एसटीएफ द्वारा जांच की गयी तो मामला सत्य पाया गया। जिस पर एसटीएफ द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना गंगनहर में गैंगस्टर प्रवीण वाल्मिकी उसके भतीजे पार्षद मनीष बाँलर, पंकज अष्ठवाल आदि 6 लोंगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया और बीती देर शाम दबिश देकर मनीष बाँलर और पंकज अष्ठवाल निवासी ग्राम सुनेहरा थाना गंगनहर जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया।

बताया गया कि रुड़की क्षेत्र के ग्राम सुनेहरा निवासी श्याम बिहारी की वर्ष 2014 में मृत्यु हो गई थी जिसकी करोड़ो रुपए की संपत्ति ग्राम सुनेहरा क्षेत्र में स्थित है। श्याम बिहारी की मृत्यु के पश्चात इस संपत्ति की देखभाल उसका छोटा भाई कृष्ण गोपाल कर रहा था वर्ष 2018 में प्रवीण वाल्मीकि गैंग द्वारा इस संपत्ति को कब्जा करने की नियत से उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके पश्चात इस संपत्ति की देखभाल श्याम बिहारी की पत्नी रेखा द्वारा की जाने लगी तो प्रवीण वाल्मीकि द्वारा रेखा को धमकाकर संपत्ति अपने नाम पर करने के लिए दबाव बनाया गया परंतु वह नहीं मानी तो उसके भाई सुभाष पर वर्ष 2019 में अपने भतीजे मनीष बॉलर व उसके साथियों के साथ गोली चलवायी गई जिसमें थाना गंगानगर पर मुकदमा दर्ज किया गया। इन दोनों घटनाओं से रेखा का परिवार डर गया और वह रुड़की क्षेत्र छोड़कर कहीं अज्ञात स्थान पर छिप कर रहने लगे। इसके बाद रेखा व कृष्ण गोपाल की संपत्ति को प्रवीण वाल्मिकी व उसके सदस्यों द्वारा फर्जी रेखा व कृष्ण गोपाल की पत्नी स्नेहलता बनाकर फर्जी पाँवर अटार्नीय तैयार की गई तथा इन सम्पत्तयों को आगे बेचा गया इस काम में मनीष बाँलर का सहयोगी पंकज अष्टवाल था जिसने रेखा की फर्जी पावर अटार्नी अपने नाम करवाकर करोंड़ो मूल्य की सम्पत्ति को खुर्द बुर्द कर आगे बेचा।

वर्ष 2022 में हरिद्वार जेल में प्रवीण वाल्मीकि और सुनील राठी दोनो जनपद हरिद्वार कारागार में नियुक्त थे। इसी जेल में जानसठ मुजफ्फरनगर का रहने वाला संदीप कुमार एरोन नाम का व्यक्ति भी बंद था जिसकी करीब 3:30 करोड रुपए की संपत्ति कनखल क्षेत्र में स्थित थी जिस पर उस दौरान कब्जे का विवाद चल रहा था। प्रवीण वाल्मीकि द्वारा अपने भतीजे मनीष बॉलर और संजय चांदना को जेल में मिलाई के दौरान बताया कि एरोन की संपत्ति से कब्जा हटना है और यह संपत्ति के लिए एरोन को केवल 50-60 लाख रुपए ही देने है। इसके बाद मनीष बॉलर व संजय चांदना द्वारा जनवरी 2023 में जब एरोन जेल से छूट के आता है उक्त संपत्ति का एक एग्रीमेंट बिना कोई पैसे दिए अपने नाम पर कर देते हैं। परंतु इसके बाद उक्त संपत्ति के बारे में एक अन्य अपराधी आशीष शर्मा/ टुली जो कि महंत हत्या के केस में हरिद्वार जेल में गया था सुनील राठी को जानकारी देता है तो सुनील राठी द्वारा प्रवीण वाल्मीकि को धमका कर मनीष बॉलर और संजय चांदना की नाम के एग्रीमेंट को खत्म करवा दिया गया।

इस मामले में अभी तक वाल्मिकी गैंग के 2 सदस्य मनीष बाँलर एवं पंकज अष्टवाल को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ में फर्जी रेखा व संलिप्त सदस्यों की जानकारी प्राप्त हुई है जिनकी शीघ्र गिरफ्तारी की जायेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकतंत्र की जंग अंतिम मुकाम पर

राहुल गांधी और विपक्ष के नेता जिस वोट चोरी के आरोपो को लेकर आंदोलन खड़ा कर चुके हैं उन आरोपों का जवाब अब तक न तो कोई भाजपा का नेता दे पाया है और न निर्वाचन आयोग। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने जब इस मुद्दे पर पत्रकार वार्ता की थी तो उन्होंने राहुल के आरोपों को गलत बताते हुए कहा था कि यदि 25 अगस्त तक वह है हल्फनामा नहीं देते हैं तो उन्हें देशवासियों से माफी मांगनी पड़ेगी। कल 25 अगस्त पीछे निकल चुका है राहुल ने तो न माफी मांगी न हलफनामा दिया क्या चुनाव आयोग राहुल के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगा? चुनाव आयोग में बैठे लोगों को भी अब यह आभास हो चुका है की हवा का रुख क्या है? राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जो इन दिनों बिहार में वोट अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं उसे यात्रा में उमड़ने वाली लाखों लोगों की भीड़ ने न सिर्फ बिहार में जहां नवंबर में चुनाव होना है बल्कि पूरे देश में इस संदेश का बहुत ही पुख्ता तरीके से जन-जन तक पहुंचा दिया है कि केंद्र में जो मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है वह लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार नहीं है इस सरकार का गठन वोट चोरी के जरिए किया गया है। बिहार में बीते 10 दिनों से वोट चोर गाड़ी छोड़ के नारे गूंज रहे हैं। इससे पूर्व देश के 300 से अधिक सांसदों द्वारा लोकसभा से निर्वाचन आयोग तक जो विरोध मार्च किया गया था और अपनी गिरफ्तारियां दी गई थी तथा पूरे विपक्ष ने एक स्वर में प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा सदन में पहुंचते ही वोट चोर गाड़ी छोड़ के जो नारे लगाए गए थे इन तमाम घटनाओं ने इस वोट चोरी के मामले या यूं कहे कि चुनावी धांधली के मुद्दे को आम आदमी तक पहुंचाने में जो सफलता हासिल की गई है उसका कोई भी जवाब सत्ता पक्ष के पास नहीं है। इस वोट चोरी में निर्वाचन आयोग की क्या भूमिका है तथा सरकार ने निर्वाचन आयुक्त के चयन में किस तरह अपनी मोनोपोली बनाई और कानून बदलकर इस तरह की व्यवस्था बनाई गई है कि निर्वाचन आयुक्तों के खिलाफ न्यायपालिका में कोई केस दर्ज न किया जा सके। यह तमाम तथ्य किसी से छिपे नहीं है। अभी 2 दिन पूर्व बिहार के उप-मुख्यमंत्री का बिहार में भारी जनसभा में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों को यह कहकर फटकारा गया कि हमें आपका वोट नहीं चाहिए हैरान करने वाला था। क्या आज का सच यही है कि लोकतंत्र अब सिर्फ नाम के लिए ही बचा है। सत्ता में रहने वाले नेताओं को जनता के वोट की कोई जरूरत नहीं रह गई है तथा व्यवस्था अब ऐसी बना दी गई है कि आम आदमी वोट किसी को भी दे सरकार भाजपा की ही बनेगी। अगर ऐसा नहीं है तो गृहमंत्री अमित शाह किस आधार पर देश में आगामी 20 सालों तक भाजपा की ही सरकार रहने का दावा कर रहे हैं निश्चित तौर से संविधान बदलने तथा 30 दिन से अधिक जेल में रहने वाले नेताओं के मंत्री पद जाने का कानून लाने वाली सरकार की मशां और मंसूबे अब किसी से भी छिपे नहीं है यही कारण है कि विपक्ष भी अब संविधान और लोकतंत्र बचाओ की इस लड़ाई को अपनी अंतिम लड़ाई मानकर ही लड़ रहा है देश के मतदाताओं को अब यह फैसला करना है कि वह किसके साथ खड़े होते हैं। लोकतंत्र और संविधान बचाने की यह जंग तय करेंगी कि जीत उस तानाशाही की होती है जिसे चुनाव से हासिल किया गया है या फिर उस लोकतंत्र की जो देश के नागरिकों के वोट अधिकार से तय होती है।

एलिवेटेड रोड से प्रभावित होने वाले लोगों का किया जाये पुनर्वास: कांग्रेस

संवाददाता

देहरादून। एलिवेटेड रोड से प्रभावित होने वाले लोगों को पुनर्वास किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां रिस्पना व बिन्दाल नदी के किनारे किनारे प्रस्तावित एलिवेटेड रोड़ बनाये जाने से उसकी जद में आने वाले प्रभावित लोगों के मकान स्वामियों को मुआवजा न देकर सरकार से पुनर्वास किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात करते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा। यहां पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं चकराता विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम सिंह के नेतृत्व में कांग्रेसियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी सविन बंसल से मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि नदी रिस्पना व बिन्दाल पर एलिवेटेड रोड़ बनाये जाने से हजारों लोगों को हटाये जाने के लिए मकानों पर निशान लगाये गये है। उन्होंने

कहा कि वहीं सुनवाई के लिए कैम्प लगाये जा रहे है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि रिस्पना व बिन्दाल नदी पर ऐलिवेटेड रोड़ बनाये जाने से उसकी जद में आने वाले मकान स्वामियों को मुआवजा न देकर हटाने से पहले पुनर्वास किया जाये।

पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि सरकार व नगर निगम की प्रभावित लोगों के मकानों का ध्वस्तीकरण किये जाने का पुरजोर तरीके से विरोध किया जायेगा। ज्ञापन में कहा गया कि यह सभी लोग मेहनत मजदूरी करके अपने जीवन की सारी पूंजी लगाकर अपने बच्चों के साथ मकान बनाकर निवास कर रहें हैं और नगर निगम को वर्षों से टैक्स व पानी, बिजली का बिल देते आ रहे हैं।

ज्ञापन में कहा गया कि नदी रिस्पना व बिन्दाल नदी पर एलिवेटेड रोड बनाये जाने के लिए प्रभावित होने वाले लोगों के मकानों के बदले किसी अन्यत्र स्थान पर पुनर्वास कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल में पार्षद निखिल कुमार, बिरेन्द्र बिष्ट, प्रमोद कुमार, पीयूष गौड, सोम प्रकाश वाल्मीकि, सुंदर सिंह पुंडीर, अजय सिंह, नमन, अशोक शर्मा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना परिश्रम के सफलता नहीं मिलती: ब्रिगेडियर भंडारी

संवाददाता

हरिद्वार। ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी ने कैडेट्स को बताया कि बिना परिश्रम के सफलता प्राप्त नहीं होती।

आज यहां 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में फोनिक्स विश्विद्यालय, इमली खेड़ा, रुड़की में 22 अगस्त 2025 से संचालित प्री थल सेना कैंप द्वितीय के छठे दिन ऑल इण्डिया थल सेना कैंप, नई दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले 91 एनसीसी कैडेट्स के दल को ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कैडेट्स को बताया कि बिना परिश्रम किए सफलता को प्राप्त नहीं किया जा सकता, जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता परिश्रम की सीढ़िया से ही जाता है एवं इसका कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कैडेट्स को थल सेना शिविर, नई दिल्ली हेतु प्रदान किये जा रहे हैं कीटिंग सामग्री

का भी निरीक्षण किया व उनकी गुणवत्ता की गहराई से जांच की। ब्रिगेडियर भंडारी ने बताया की उत्तराखंड सरकार द्वारा कैडेट्स को उपलब्ध कराई जारी सामग्री हेतु समुचित धनराशि समय पूर्व उपलब्ध कराई जा रही है जिससे कैडेट्स को उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री क्रय कर प्रदान की जा रही है।

आज ग्रुप मुख्यालय से आए ट्रेनिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल संतोष लेखक द्वारा भी कैडेट्स को दी जा रही ट्रेनिंग पर जानकारी प्राप्त की गई व कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें एक शेर के माध्यम से भी प्रोत्साहित किया 'जलाने वाले जलाते ही हैं चराग आखिर, ये क्या कहा कि हवा तेज है जमाने की'। इस अवसर पर कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, एकाउंट ऑफिसर संतोष कुमार भट्ट, डिप्टी कैंप कमांडेंट कैप्टन सुशील कुमार आर्य, टीएससी कंटिजेंट कमांडर कैप्टन विशाल शर्मा, थर्ड ऑफिसर सुनीता नौटियाल, सूबेदार मेजर अमर सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार पंकज कुमार पाल, सूबेदार सुनील सिंह, सूबेदार राजेश, बीएचएम केशवानंद, हवलदार संदीप, कार्यालय अधीक्षक प्रशिक्षण रवि कपूर, वरिष्ठ सहायक सुरेश अवस्थी, जीसीआई किरन, धर्म सिंह, सन्दीप बुड़ाकोटी, सुनील भाई, सुभाष, राजवीर, वाहन चालक विमल कुमार, रोहित कुमार डिमरी, अरुण यादव, अनुज गिरी, राकेश, लोकेंद्र, रविन्द्र आदि उपस्थित रहे।

स्कूल से घर लौटते समय रास्ता भटके दो बच्चों को किया परिजनों के सुपुर्द

संवाददाता

देहरादून। स्कूल से घर लौटते समय रास्ता भटकने से दो बच्चों को तलाश कर पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द किया। आज आसरा ट्रस्ट की अध्यापिका द्वारा थाना कैंट को सूचना दी कि सिटी बोर्ड स्कूल खुड़बुड़ा में पढ़ने वाले दो बच्चे, जिनकी उम्र क्रमशः 6 वर्ष और 4 वर्ष को, स्कूल बस के ड्राइवर द्वारा स्कूल के बाद समय पौने एक बजे बिंदाल पुल पर छोड़ा गया था, जो घर नहीं पहुंचे। सूचना पर तत्काल

ज्ञान लेते हुए आस पास के ानों को बच्चो की तलाश हेतु ूचित करते हुए थाने से पुलिस ीम को बच्चों की तलाश हेतु जा गया, जिनके द्वारा आस ास के लोगों से पूछताछ करते ए अथक प्रयासों से बच्चों को स्याल चौक इंद्रानगर के पास सकुशल बरामद किया गया, ो संभवतः खेल खेल में रास्ता टककर वहाँ तक पहुँच गए थे। च्चों को सकुशल चौकी पर ाकर उनकी माता के सुपुर्द किया गया। बच्चों को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने दून पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया गया।

खंडहर में तब्दील हो रहा राजकीय इंटर कॉलेज डाकपत्थर: मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा राजकीय इंटर कालेज डाकपत्थर के भवन जर्जर हालत देखकर मोर्चा की टीम ने गहरी चिन्ता व्यक्त की।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में मोर्चा टीम ने राजकीय इंटर कॉलेज, डाकपत्थर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की जर्जर हालत देखकर टीम ने गहरी चिंता व्यक्त की। वर्तमान में लगभग 500 छात्र-छात्राएं यहां अध्ययनरत हैं, जबकि पूर्व में छात्र संख्या 1500-2000 तक रहती थी। बजट और देखरेख के अभाव में विद्यालय भवन खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। विद्यालय भवन की जर्जर हालत को देखते हुए अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालय अथवा किसी अन्यत्र विद्यालय में भेजने को मजबूर हैं। विद्यालय

सिंचाई विभाग के अधीन है, लेकिन विभाग द्वारा उपेक्षा बरते जाने के कारण मरम्मत व रख-रखाव नहीं हो पाया द्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य वर्मा ने बताया कि मरम्मत आदि के नाम पर साल दो साल में कभी कभार 20-25 हजार रुपए ही मुहैया कराए जाते हैं, जोकि नाकाफी है। नेगी ने कहा कि विद्यालय की यह स्थिति छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। सरकार और जिम्मेदार विभागों ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है, जिसके चलते छात्र संख्या लगातार घट रही है। विद्यालय को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मोर्चा ने विद्यालय की मरम्मत, साज-सज्जा और सुरक्षा हेतु अन्य विभागों से भी बजट उपलब्ध कराने की बात कही। टीम में मौजूद रहे। मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, हाजी असद, सलीम मुजीबुर्रहमान, प्रवीण शर्मा पिन्नी आदि थे।

फेसवॉश बनाम फेस क्लींजर जानिए इनमें क्या है अंतर

चेहरे की सफाई स्किन केयर रूटीन का सबसे पहला स्टेप है, जो आपकी त्वचा को तरोताजा महसूस करा सकता है। हालांकि, कई लोगों को फेस क्लींजर और फेसवॉश में अंतर नहीं पता होता है। ये दोनों उत्पाद आपकी त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं, लेकिन ये त्वचा पर अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। आइए आज हम आपको फेसवॉश और फेस क्लींजर में अंतर समेत इनके काम करने के तरीके के बारे में बताते हैं।

फेसवॉश और फेस क्लींजर में अंतर : फेस क्लींजर हल्का होता है और बड़ी कोमलता के साथ त्वचा की सफाई करता है। आमतौर पर क्लींजर में त्वचा के अनुकूल पीएच होता है और इसे संवेदनशील त्वचा पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके उलट, फेसवॉश त्वचा को रूखा और बेजान बना सकता है। इसमें अच्छी मात्रा में झाग और अधिक कसैले तत्व भी हो सकते हैं, जो त्वचा की कई समस्याओं के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

कैसे काम करते हैं दोनों उत्पाद? : फेस क्लींजर और फेसवॉश समान रूप से कार्य करते हैं। ये उत्पाद त्वचा से गंदगी और धूल को आसानी से हटाने में मदद करते हैं। फेस वॉश और फेस क्लींजर में फैटी एसिड और लवणता वाले घोल भी होते हैं। फैटी एसिड त्वचा के रोमछिद्रों में तेल से जुड़ जाता है और उसे घोल देता है, जबकि लवणता तेल को साफ कर देती है। हालांकि, संवेदनशील त्वचा के लिए फेस क्लींजर का उपयोग करना ही सही रहता है।

फेस क्लींजर के इस्तेमाल का सही तरीका : सबसे पहले अपने चेहरे पर गुनगुने पानी से छींटे मारें। इसके बाद मटर के दाने जितना फेस क्लींजर लेकर इसे अपने गालों, ठुड्डी, नाक और माथे पर लगाएं और अपनी उंगलियों से उत्पाद को त्वचा पर धीरे से मलें। अब गीले कॉटन बॉल से अपनी त्वचा से फेस क्लींजर को पोंछ लें और अंत में अपने चेहरे पर थोड़ा फेस टोनर या मॉइस्चराइजर लगा लें। इसके बाद आपको चेहरे पर ताजगी महसूस होगी।

इस तरह से इस्तेमाल किया जाता है फेसवॉश : सबसे पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से गीला करें। अब सिक्के के आकार जितना फेसवॉश लें और इसे अपने हाथों पर रगड़कर अपने चेहरे पर लगाएं। इसके बाद धीरे-धीरे से अपने चेहेर की ऊपर और बाहर की दिशाओं में मालिश करें। मालिश के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें और अंत में फेस टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें।

दोनों उत्पादों में से किसका चयन करें? : चेहरे की सफाई के लिए फेस क्लींजर और फेसवॉश दोनों का ही इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फेसवॉश त्वचा को रूखा और बेजान बना सकता है। इसलिए इसका इस्तेमाल पूरे दिन में एक या दो बार ही करें। फेस क्लींजर माइल्ड होता है और इसका इस्तेमाल आप अपनी इच्छा के अनुसार कितनी बार भी चेहरे को साफ करने के लिए कर सकते हैं।

सैयारा फेम फहीम अब्दुल्ला का गाना बिछड़ना रिलीज

आदिल जफर खान और रीम शेख का नया गाना बिछड़ना सोशल मीडिया पर रिलीज हो गया है। इस गाने में किसी अपने के दूर हो जाने के दर्द की झलक है।

गाना प्यार, तड़प और दिल टूटने की कहानी को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। इसमें रिश्ते की गहराई और दर्द को महसूस किया जा सकता है। यह गाना प्यार और दिल टूटने के बीच की नाजुक भावना को दिखाता है।

सैयारा फेम फहीम अब्दुल्ला ने बिछड़ना गाया है।

इस गाने के बारे में बात करते हुए फहीम ने कहा, यह गाना उस वक्त बना, जब मैं बहुत भावुक और उलझे हुए पलों से गुजर रहा था। सुर, बोल और भावनाएं, सब कुछ एक ही बार में निकलकर सामने आई। इस गाने को सभी को सुनना चाहिए।

फहीम ने आगे कहा कि वे भूषण कुमार और टी-सीरीज की टीम के शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने इस गाने को पूरी आजादी और जगह दी, ताकि यह लोगों के दिल तक वैसा ही पहुंचे जैसा वे चाहते थे।

टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर इस गाने को पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, अगर आपने कभी कठिनाइयों के बावजूद किसी से सच्चा प्यार किया है, तो ये गाना आपके लिए है। बिछड़ना गाना अब रिलीज हो चुका है। फहीम अब्दुल्ला, जिन्होंने पहले सैयारा जैसे सुपरहिट गाने से लोगों का दिल जीता, अब बिछड़ना गाने के जरिए एक बार फिर शानदार वापसी कर रहे हैं। यह गाना टी-सीरीज के बैनर तले जारी हुआ। वीडियो दो जन्मों की कहानी दिखाता है, यानी पिछले जन्म और इस जन्म की। इसमें आदिल जफर खान और रीम शेख ने शानदार अभिनय किया है। कहानी में वो पल दिखाए गए हैं जहां प्यार ने कई मुश्किलों का सामना किया, रिश्ता टूटा, बिखरा, और फिर भी किसी तरह बना रहा। इस गाने के बोल आमिर अमीर ने लिखे हैं। यह गाना अब यूट्यूब पर टी-सीरीज के चैनल पर उपलब्ध है।

कच्चे पनीर का सेवन ज्यादा फायदेमंद होता हैं

अगर आप शाकाहारी हैं तो पनीर का स्वाद आपने बहुत लिया होगा क्योंकि जब भी कुछ स्पेशल बनाना होता हैं तो ज्यादातर पनीर के व्यंजनों को ही स्नैक्स और आहार में शामिल किया जाता हैं। पनीर एक ऐसी चीज है जिसे नमकीन और मीठे दोनों रूपों में खाया जाता है। पनीर स्वाद में टेस्टी होने के साथ यह सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कच्चे पनीर का सेवन ज्यादा फायदेमंद होता हैं। प्रोटीन, वसा, कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस, फोलेट और कई न्यूट्रीएंट्स से भरपूर पनीर का सेवन कई तरह से सेहत को फायदा पहुंचाने का काम कारता हैं जिनके बारे में हम आपको आज बताने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

प्रोटीन की आपूर्ति

पनीर खाने का सबसे अधिक कोई फायदा है तो वो है इसमें मौजूद हाई प्रोटीन। आपको बता दें कि एक कप पनीर में 24 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। इसके नियमित सेवन से आपका शरीर तो हेल्दी होगा ही, आपके मसल्स भी तेजी से मजबूत बनेंगे।

फाइबर की आपूर्ति

फाइबर की कमी होने पर आपको कमजोर इम्यून सिस्टम, बावसीर, कोलेस्ट्रोल, कब्ज और शुगर लेवल बढ़ना जैसी प्रॉब्लम का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में फाइबर की कमी है तो रोज इसका सेवन करें। दिन में कम से कम 1 बार कच्चा पनीर खाने से आपके शरीर में फाइबर की कमी पूरी हो जाएगी।

वजन करता है कम

पनीर में हाई प्रोटीन होता है जो वजन को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी होता है। इसमें फैट और शुगर की मात्रा भी कम होती है। जिस से वजन को कंट्रोल में रखने में ये काफी मदद मिलती है। कच्चे पनीर में लीनोलाइक एसिड भी काफी मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर में फैट बर्निंग प्रॉसेस तेज होता है, जिससे आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए अपनी डाइट प्लान में कच्चा पनीर जरूर शामिल करें।

कैंसर से बचाव

पनीर का सबसे बड़ा लाभ यही है, इसमें कोई शक नहीं। हाल ही में हुए एक शोध में यह साबित हुआ है कि पनीर में कैंसर जनित कारणों और खतरों को कम करने की क्षमता है। पेट के कैंसर, कोलोन कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में पनीर बेहद प्रभावी साबित हुआ है।

कैल्शियम करता है बूस्ट

पनीर कैल्शियम का एक्सेलेंट सोर्स है। एक कप पनीर में 227 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। जो कि आपके रोज के प्रोटीन इंटेक का 18 प्रति. होता है। अगर आप नॉन फैट प्रोडक्ट खाना चाहते हैं तो पनीर बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

दांत और हड्डियां बनाए मजबूत

पनीर का सबसे बेहतरीन लाभ है कि यह आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है साथ ही कैल्शियम और फास्फोरस का एक बढ़िया स्त्रोत भी है। रोजाना पनीर का सेवन हड्डियों की समस्या, जोड़ों में दर्द और दांत के रोगों से बचाए रखने में बेहद मददगार है।

डाइबिटीज में फायदेमंद

ओमेगा 3 से भरपूर पनीर डाइबिटीज से भी बेहद प्रभावी तरीके से लड़ता है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि वे भी अपने डाइबिटीज रोगियों को रोजाना पनीर को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि पनीर दोनों टाइप के डाइबिटीज के लिए प्रभावी साबित होता है।

मजबूत होगा मेटाबॉलिज्म

पाचन और पाचन तंत्र के लिए मेटाबॉलिज्म का रोल बहुत महत्वपूर्ण है। पनीर में अत्यधिक मात्रा में डायट्री फाइबर होते हैं जो भोजन के पाचन में बेहद मददगार साबित होता है। यह पाचन तंत्र के सुचारू रूप से चलने के लिए बेहद फायदेमंद और महत्वपूर्ण है।

डार्क चॉकलेट खाएं, मूड होगा बेहतर

अगर आप डार्क चॉकलेट खाने के शौकीन हैं, तो आपके लिए एक खुशखबरी है। रिसर्च से पता चला है कि किसी भी किस्म की डार्क चॉकलेट आपका मूड पॉजिटिव और बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। सबसे बड़ी बात यह कि डार्क चॉकलेट खाने से आपका डिप्रेशन लेवल भी कम हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ की मानें तो दुनियाभर में करीब 30 करोड़ लोग डिप्रेशन से प्रभावित हैं और यह विकलांगता के सबसे प्रमुख कारणों में से एक है।

डार्क चॉकलेट खाने से डिप्रेशन के लक्षण में 70 प्रतिशत की कमीयूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन डब्ल्यूएचओ के रिसर्च में डार्क चॉकलेट और डिप्रेशन से जुड़ी यह बात सामने आई। साथ ही यह रिसर्च डिप्रेशन ऐंड एंग्जाइटी नाम की पत्रिका में प्रकाशित भी हुआ है।

इस रिसर्च में अलग-अलग तरह की चॉकलेट खाने वाले कुल 13 हजार 626 लोगों पर सर्वे किया गया था। सर्वे में पाया गया कि चॉकलेट न खाने वालों की तुलना में जिन लोगों ने 24 घंटे में किसी भी तरह की डार्क चॉकलेट खाई थी, उनके डिप्रेशन संबंधी लक्षणों में 70 प्रतिशत की कमी पाई गई। यही नहीं जिन लोगों ने डार्क चॉकलेट से अलग किसी दूसरे तरह की चॉकलेट खायी थी, उनके डिप्रेशन के लक्षणों में भी 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

इस रिसर्च की लीड ऑथर डॉ सारा जैकसन कहती हैं, हमारी स्टडी के नतीजे कुछ सबूत तो पेश करते हैं कि चॉकलेट के सेवन से खासकर डार्क चॉकलेट खाने से डिप्रेशन के लक्षणों को कम किया जा सकता है। हालांकि इस बारे में और ज्यादा रिसर्च करने की जरूरत है यह जानने के लिए कि आखिर डार्क चॉकलेट और डिप्रेशन के बीच कैसा संबंध है। अगर इनके बीच कोई कैजुअल रिलेशनशिप सामने आती है जिसमें डिप्रेशन के लक्षणों को दूर करने में चॉकलेट का प्रोटेक्टिव इफेक्ट काम करता है तो डिप्रेशन को दूर करने में किस तरह की और कितनी चॉकलेट खानी चाहिए इस पर चर्चा हो सकती है।

चॉकलेट दुनियाभर में मूड बेहतर करने वाले फूड आइटम के रूप में जानी जाती है। चॉकलेट में साइकोऐक्टिव इन्ग्रीडिएंट्स होते हैं जिससे उत्साह और परम सुख का अहसास होता है। साथ ही चॉकलेट में फिनालेथाइलामीन भी पाया जाता है जो मूड बेहतर करने में मदद करता है। इतना ही नहीं डार्क चॉकलेट में फ्लैवनॉयड्स, ऐंटिऑक्सिडेंट्स और कई ऐसे केमिकल्स पाए जाते हैं जो डिप्रेशन को दूर करने में अहम रोल निभाते हैं।

मैं उन कहानियों में विश्वास करती हूँ जो लोगों को छू जाएँ: सानिया नूरैन

टीवी शो निमकी मुखिया में महुआ के किरदार से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सानिया अब हाल ही में रिलीज़ हुए आत्मीय संगीत वीडियो कर फ़ैसला' में एक नए रंग में नज़र आई हैं। उनकी यह यात्रा न केवल सधी हुई अभिनय प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि उनके चयनित किरदारों में गहराई और भावनात्मक पकड़ भी देखने को मिलती है।

कर फ़ैसला' में सानिया के साथ नज़र आए जाने-माने पार्श्वगायक आमन त्रिखा, जिनके गाए गाने हुक्का बार और प्रेम लीला जैसी हिट्स रह चुके हैं। जहाँ त्रिखा की आवाज़ इस गाने की आत्मा को स्वर देती है, वहीं सानिया की अदायगी इसे एक अलग ही गहराई प्रदान करती है। उन्होंने केवल अभिनय नहीं किया – उन्होंने हर भावना को आत्मसात किया और उसे ईमानदारी से परदे पर उतारा।

सानिया कहती हैं, मैं उन कहानियों में विश्वास करती हूँ जो लोगों को भीतर तक छू जाती हैं। कर फ़ैसला' ने मुझे यह मौका दिया – बिना संवादों के दर्द, शक्ति और मौन को अभिव्यक्त करने का। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो मेरे दिल के बेहद करीब है।

इस म्यूज़िक वीडियो की सिनेमैटोग्राफी, मार्मिक बोल और संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली कहानी सानिया के भावपूर्ण अभिनय को और अधिक निखार देती है। दर्शकों ने उनके अभिनय में झलकती संवेदनशीलता और शांत ताकत की सराहना की है, साथ ही उनके दृश्यात्मक प्रभाव को भी काफी सराहा है।

यह पहली बार नहीं है जब सानिया ने दर्शकों का दिल जीता हो। निमकी मुखिया' और इसके सीक्वल निमकी विधायक' में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई थी। यह शो सामाजिक मुद्दों पर आधारित था और 600 से अधिक एपिसोड तक चला – जो अपने आप में एक उपलब्धि है। महुआ का किरदार, जिसकी ईमानदारी और भावनात्मक गहराई दर्शकों के दिलों में उतर गई, सानिया के अभिनय की असली पहचान बना।

अब सानिया जल्द ही नज़र आएँगी आगामी वेब सीरीज़ सरकारी दमाद' में, जिसमें नज़र आएँगे व्यंग्य, ड्रामा और मनोज तिवारी के गानों से सजा एक शानदार साउंडट्रैक। हालाँकि फिलहाल शो के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, पर दर्शकों की उम्मीदें ज़रूर ऊँची हैं।

सानिया नूरैन की यात्रा को खास बनाता है उनका विश्वास – सिर्फ भूमिकाओं का चयन नहीं, बल्कि उनका मकसद और जुड़ाव। मनोरंजन की तेज़ रफ्तार दुनिया में वह यह साबित कर रही हैं कि ज़मीन से जुड़े रहना, सार्थक कहानियाँ चुनना और दर्शकों से दिल से जुड़ना ही असली सफलता का रास्ता है।

अगर उनके हालिया काम को संकेत माना जाए, तो यह साफ़ है कि सानिया केवल दिखने के लिए नहीं आईं – वह याद रहने के लिए आई हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए जरूरी हैं ये 5 विटामिन, डाइट में करें शामिल

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए विटामिन्स अहम भूमिका निभाते हैं। ये न केवल बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें चमकदार और स्वस्थ भी रखते हैं। विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन-ई बालों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। इन विटामिन्स के सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं। आइए जानते हैं कि बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए किन विटामिन्स का सेवन करना चाहिए।

विटामिन-ए

विटामिन-ए बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। गाजर, पालक, कद्दू और आम जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-ए से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-ए की गोलियों का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-बी

विटामिन-बी बालों की बढ़त के लिए बहुत जरूरी है। यह बालों की जड़ों तक खून का संचार बढ़ाता है जिससे बाल तेजी से बढ़ते हैं। दही, हरी सब्जियां और साबुत अनाज विटामिन-बी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप केले, एवोकाडो और बादाम जैसे खाद्य पदार्थों का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-बी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-सी

विटामिन-सी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। संतरा, नींबू, अमरूद और स्ट्रॉबेरी जैसे फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-डी

विटामिन-डी बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है जिससे वे स्वस्थ रहते हैं और तेजी से बढ़ते हैं। धूप में बैठना या विटामिन-डी की गोलियां लेना इसके लिए अच्छा होता है। दूध, संतरे का रस और मशरूम भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप मछली के तेल का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-डी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-ई

विटामिन-ई एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। बादाम, सूरजमुखी के बीज, पत्तेदार सब्जियां और एवोकाडो जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-श्व के अच्छे स्रोत होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह अनुसार विटामिन-ई सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -64

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

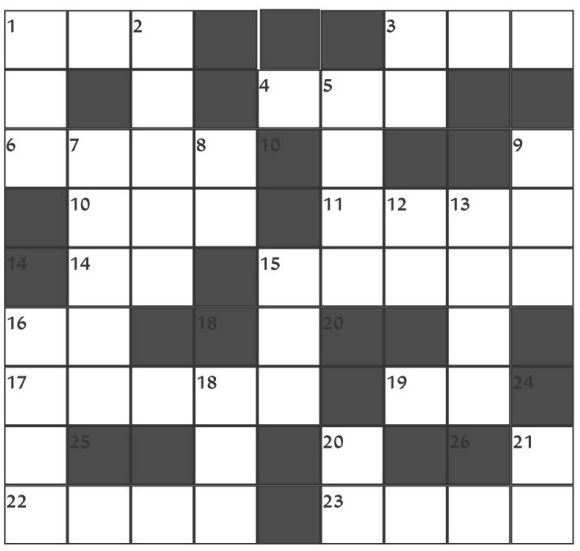

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची 19 सितंबर को रिलीज होगी

दिल थाम लीजिए, क्योंकि अमेजन रूत्रू स्टूडियोज इंडिया पेश कर रहा है निशानची की एक खास झलक! इस अपकमिंग थिएट्रिकल फिल्म का ऑफिशियल टीज़र आ गया है और इसमें है भरपूर मसाला, इमोशंस, ड्रामा और ढेर सारा स्वैग। अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक दमदार देसी एंटरटेनर लग रही है जिसमें है एक तगड़ा तड़का एक्शन, ह्यूमर और सब कुछ फिल्मी अंदाज़ का।

निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है। 19 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज़ होने जा रही ये फिल्म दो भाइयों की उलझी हुई ज़िंदगी को दिखाएगी, जो बिल्कुल अलग रास्तों पर चलते हैं और कैसे उनके फैसले उनकी तकदीर तय करते हैं। देसी मिट्टी की खुशबू लिए ये कहानी आपको एक ऐसे दुनिया में ले जाएगी जो असली, जोशीली और पूरी तरह देसी रंग में रंगी हुई है।

टीज़र की शुरुआत होती है एक दमदार लाइन से बिना बॉलीवुड, काउनों ज़िंदगी कैसे जिए? और बस, वहीं से आप घुस जाते हैं एक ऐसी दुनिया में जो म्यूज़िक, डांस, तगड़ी एक्शन, बिना फिल्टर के ड्रामा और डबल धमाल से भरी है। यहां मिलते हैं बबलू (ऐश्वर्य ठाकरे) से एक रंग-बिरंगा लोकल हीरो, जो अपनी स्टाइल और एटीट्यूड में कमाल है। उसके साथ दिखती हैं रिंकू (वेदिका पिंटो), जो हर कदम पर बबलू की टक्कर देती है।

लेकिन तभी होता है असली ट्विस्ट यानी एंट्री होती है डबलू की। अम्मा (मोनिका पंवार) का आज्ञाकारी बेटा डबलू, उतना ही संस्कारी है जितना बबलू जुगाड़ू है। और भाई, बिना मसाले के देसी फिल्म कैसी? फिर टीज़र में दिखते हैं कुछ मज़ेदार कैरेक्टर्स-कमाल अजीब (मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब) जो कभी समझ नहीं आता, लेकिन नजरें नहीं हटतीं उनसे। और अंबिका चाचा (कुमुद मिश्रा), बाहर से शांत लेकिन अंदर से पूरे खेल वाले। इसके साथ बजता है एक जबरदस्त बीट्स वाला गाना, जो और भी एनर्जी भर देता है माहौल में। फिर दिखती है सीटी-मार एंट्रीज़, बड़े-बड़े किरदार और भरपूर ड्रामा। अगर टीज़र पर भरोसा किया जाए, तो निशानची वाकई में देगा आपको देसी अंदाज़ में तगड़ा एंटरटेनमेंट, भरपूर धमाके, रॉ इमोशंस और अनुराग कश्यप का अलग ही टच। तो तैयार हो जाए, क्योंकि निशानची 19 सितंबर को पूरे भारत के थिएटरों में लेकर आ रही है – गोलियां, गद्दारी और जबरदस्त भाईचारा।(आरएनएस)

विजय एंटनी की भद्रकाली को नई रिलीज़ डेट मिली

विजय एंटनी की फिल्म भद्रकाली की रिलीज़ डेट 19 सितंबर तय की गई है। शुरुआत में इसे 5 सितंबर को रिलीज़ किया जाना था, लेकिन निर्माताओं ने शिवकार्तिकेयन की फिल्म पराशक्ति के निर्माता डॉन पिक्चर्स के साथ कानूनी विवादों से बचने के लिए तारीख बदलने का फैसला किया। भद्रकाली एक दमदार राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन अरुण प्रभु ने किया है और इसका निर्माण रामंजनेयुलु जवाजी ने सर्वंत राम क्रिएशन्स के तहत किया है। फिल्म में वागई चंद्रशेखर, सुनील कृष्णपाणि और तृप्ति रवींद्र जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं।

फिल्म की तकनीकी टीम में छायाकार के रूप में शैली कैलिस्ट और संपादक के रूप में रेमंड डेरिक क्रस्टा शामिल हैं। विजय एंटनी खुद इस फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं, और यह उनके करियर की एक ऐतिहासिक फिल्म होने की उम्मीद है। टीज़र को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे इस परियोजना को लेकर चर्चा बढ़ रही है। एशियन सुरेश एंटरटेनमेंट्स, जिसने विजय एंटनी की पिछली फिल्म मार्गन को सफलतापूर्वक रिलीज़ किया था, भद्रकाली को तेलुगु में भी रिलीज़ करेगा।

भद्रकाली, विजय एंटनी की बतौर अभिनेता 25वीं फ़िल्म है और अपनी दमदार कहानी और दमदार अभिनय के साथ यह एक शानदार दृश्यात्मक फ़िल्म होने का वादा करती है। फ़िल्म का कला निर्देशन श्रीरामन ने किया है और राजशेखर फाइट मास्टर हैं। अपनी आकर्षक कहानी और प्रभावशाली कलाकारों के साथ, भद्रकाली एक ज़रूर देखी जाने वाली फ़िल्म बन रही है।

19 सितंबर को रिलीज़ होने वाली इस फ़िल्म से दर्शकों में काफ़ी दिलचस्पी पैदा होने की उम्मीद है, क्योंकि विजय एंटनी की पिछली फ़िल्मों को काफ़ी सराहना और सफलता मिली है। अपनी दमदार कहानी और दमदार अभिनय के साथ, भद्रकाली दर्शकों के लिए एक रोमांचक सफ़र साबित होगी।

साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है : पायल घोष

अभिनेत्री पायल घोष ने साउथ इंडस्ट्री और बॉलीवुड की तुलना करते हुए अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में प्रोफेशनल तरीके के साथ काम किया जाता है।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में काम किया है और दोनों में मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री बॉलीवुड के मुकाबले थोड़ा ज्यादा प्रोफेशनल लगता है। साउथ इंडस्ट्री में लोगों को पता रहता है कि उन्हें क्या करना है और कमाल की बात यह है, जब वहां की फिल्में शूट होती है, तो उस दौरान सभी का व्यवहार एक दूसरे को लेकर समान देखने को मिलता है, चाहे वह मुख्य कलाकार हो या फिर कोई क्रू। इसी के साथ ही अगर शूट का समय सुबह 7 बजे है, तो मुख्य किरदार समेत सभी लोग समय से सेट पर पहुंच जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण की फिल्मों के सेट पर अनुशासन होता है, लेकिन बॉलीवुड में अपने हिसाब से काम करने में विश्वास रखा जाता है। कई बार मैंने खुद देखा है कि बॉलीवुड में कहते कुछ हैं, और अंत में जो होता है वह बिल्कुल अलग होता है। जैसे कि अगर उन्होंने कहा है कि सुबह 7 बजे के बाद शूटिंग शुरू करेंगे, तो 11 बजे से पहले काम शुरू नहीं होता है।

दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर बताते हुए अभिनेत्री ने कहा,साउथ में सीन ज्यादा होते हैं। वह फिल्म की स्टोरी बोर्ड में जो तैयार करते हैं, उसे ही फॉलो करते हैं और इतना ही नहीं, वह प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन पर भी उसी प्रक्रिया को लागू करते हैं। दूसरी ओर, बॉलीवुड में कई बार जो योजना बनाई जाती है और जो लागू होता है, उन दोनों में जमीन आसमान का फर्क होता है। कई बार शॉट्स ले लिए जाते हैं और उन्हें एडिटर के लिए छोड़ दिया जाता है, और रवैया यह होता है कि एडिट में देख लेंगे।

पायल ने अंत में बताया कि दोनों इंडस्ट्री के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं। हमें इन सब से ऊपर उठकर इस बात की खुशी मनानी चाहिए की दोनों इंडस्ट्री मिलकर अच्छी फिल्में बनाती हैं।

अदिति पोहनकर खूबसूरती में कई अभिनेत्रियों को देती हैं टक्कर

वेब सीरीज आश्रम में भोली-भाली लड़की का किरदार निभाने वाली अदिति पोहनकर आज ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि हुस्न और खूबसूरत अदाओं से भी फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं। जी हां हम बात कर रहे आश्रम वेब सीरीज की पम्मी यानी अदिति पोहनकर की। अदिति पोहनकर की रियल लाइफ से रूबरू करवा रहे हैं। अदिति पोहनकर कई वेब सीरीज और मूवीज में काम कर चुकी है, अदिति पोहनकर को असली पहचान आश्रम' वेब सीरीज से मिली है। इस सीरीज ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। जिसके बाद उनकी लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव देखने को मिला।अदिति ने अपना एक्टिंग करियर हिंदी मूवी लव सेक्स और धोखा (2010)' से शुरू किया था। इसके बाद वो मराठी फिल्म कुनासाथी कुनितारी' में भी दिखाई दी। लेकिन अदिति असली पहचान ओटीटी प्लेटफॉर्म से मिली थी। उनकी पहली वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर आई सीरीज शी थी। इस सीरीज में भी उनका बोल्ड अवतार देखने को मिला था। इसके बाद अभिनेता बॉबी देओल के साथ आश्रम' में काम करने का मौका मिला और उन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से पूरे देश का दिल जीत लिया।

सीरीज में बॉबी के साथ-साथ उनके काम भी खूब तारीफ होती है। आपको बता दें कि बॉबी देओल की वेब सीरीज आश्रम 3' का पार्ट 2 अब रिलीज हो चुका है। जो रिलीज के साथ ही लोगों के दिलों पर छा गया है।

एकपक्षीय सीमा शुल्क बढ़ाना अन्यायपूर्ण और अनुचित

अवधेश कुमार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक हम टैक्स या शुल्क का मामला सुलझा नहीं लेते तब तक भारत के साथ व्यापार वार्ता नहीं होगी।

दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप के व्यवहार में जितनी अस्थिरता और उतार चढ़ाव है उसमें आगे वे क्या करेंगे कहना कठिन है । तत्काल यह ऐसी स्थिति है जिसमें भारत को सामूहिक राष्ट्रीय भावनाओं को अभिव्यक्त करना है तो दूसरी ओर अपनी क्षमता को समझ साहस के साथ व्यावहारिक दृष्टि से सामना करते हुए रास्ता भी निकालना है।

ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ या आयात शुल्क लगाया जो 7 अगस्त से प्रभावी है और पुनः एक कार्यकारी आदेश पर उन्होंने हस्ताक्षर किए जिससे रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है जो 27 अगस्त से लागू होगा। इस तरह 5० प्रतिशत का यह सीमा शुल्क अमेरिका द्वारा दुनिया में किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक सीमा शुल्कों में से एक है। भारत की प्रतिक्रिया बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हम अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र में लगे लोगों की हर कीमत पर रक्षा करेंगे और इसमें हमको निजी क्षति भी उठानी पड़ेगी। किसी व्यापारिक साझेदार देश के विरु द्ध बगैर किसी अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन के एकपक्षीय सीमा शुल्क बढ़ाना यानी जुर्माना लगाना अंतरराष्ट्रीय मानकों के विपरीत है।

यह अन्यायपूर्ण और अनुचित दोनों है। हम यह भी मानते हैं कि अमेरिका के साथ सीमा शुल्क बढ़ने से भारत नष्ट नहीं हो जाएगा और दुनिया में उसके लिए निर्यात के रास्ते बंद नहीं होंगे। अमेरिका के उत्पादकों के लिए भी इतना बड़ा बाजार छोड़ना आसान नहीं होगा कि पूरी तरह व्यापारिक रिश्ते ही समाप्त हो जाए। किंतु यह तर्क भी व्यावहारिक दृष्टि से गले नहीं उतरता कि 1971 में अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेज दिया हमने फिर भी बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में सफलता प्राप्त की या अमेरिका ने अकाल के समय मदद नहीं दिया या भारत के परमाणु विस्फोट के बाद प्रतिबंध लगा दिया, क्रायोजेनिक इंजन नहीं दिया फिर भी हम एक राष्ट्र के नाते आज दुनिया के शीर्ष देश की श्रेणी में खड़ा होने की स्थिति में हैं।

वास्तव में ये बातें तब की हैं जब भारत के लिए निर्यातक देश होने की कल्पना कठिन थी। पिछले वित्त वर्ष में भारत का कुल निर्यात 821 अरब डालर था। इनमें 437.42 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 383.51 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। इसमें सबसे ज्यादा अमेरिका को 88 अरब डॉलर निर्यात किया गया था। भारत के कुल निर्यात में अकेले अमेरिका की हिस्सेदारी 23ब्र है। भारत के लिए इतने व्यापार अधिशेष यानी व्यापारिक लाभ वाला अमेरिका ऐसा अकेला देश है। अमेरिका के बढ़े सीमा शुल्क का असर भारत के अमेरिका को होने वाले 5०-55 ब्र निर्यात पर पड़ेगा। इससे वस्तु निर्यात में गिरावट की संभावना है। भारतीय माल जब अमेरिका में 3०-35 प्रतिशत महंगा होगा तो समस्या आएगी। इसकी तत्काल भरपाई संभव नहीं। इसका असर विकास पर कितना होगा इसे लेकर अलग-अलग आकलन है।

एक व्यवहारिक आकलन यही है कि विकास दर में .4 प्रतिशत की कमी आ सकती है। यही नहीं कपड़ा और परिधान क्षेत्र में 17 लाख, अपैरल में 13 लाख, रसायन और रसायन उत्पादन क्षेत्र में 1० लाख , चमड़ा क्षेत्र में चार लाख तथा रत्न एवं आभूषण में तीन लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। इसके अलावा इनमें परोक्ष रोजगार प्राप्त करने वालों की संख्या भी बहुत बड़ी है। तो एक बड़े भाग के रोजगार पर असर पड़ सकता है। अमेरिका की रिटेल कंपनियां अमेजॉन, वॉलमार्ट , टारगेट और गैप ने भारतीय निर्यातकों को अगले आदेश तक शिपमेंट रोकने को कहा है। व्यावहारिक स्तर पर इसका अनेक क्षेत्रों में नुकसान होगा जिसमें सर्वप्रमुख है कपड़ा और परिधान। अमेरिका भारत के कपड़ा और परिधान का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारत द्विपक्षीय व्यापार वार्ता द्वारा इसे सुलझाने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी मांगों को स्वीकार करना या उनके दबाव के आधार पर निर्णय करना भारत के लिए न संभव था और न व्यावहारिक ही होता। कृषि और डेयरी उत्पादों में अमेरिका अपने किसानों को जबरदस्त सब्सिडी देता है जिस कारण उनके उत्पाद सस्ते होते हैं। दूसरे, अमेरिका अपने गायों को चारा में मांसाहार भी कराता है जबकि भारत में दूध और उसके सारे उत्पादन निरामिष और वैष्णव भजन की श्रेणी में आते हैं।

यह ऐसा संस्कृतिक अंतर है जिसे किसी सूरत में पाटा ही नहीं जा सकता। भारत में जीएम फूड और बीज का उपयोग नहीं किया जा सकता जबकि अमेरिका इसके लिए दबाव डाल रहा है। कृषि क्षेत्र के बाजार को अमेरिकी कल्पना के अनुरूप खोला ही नहीं जा सकता। रूस से तेल खरीदने का विषय भी जटिल है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि भारत अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल रूसी तेल खरीदने में कर रहा है और यही पैसा रूस अपने हथियारों के लिए इस्तेमाल करता है। अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो उसे 1.2 अरब डॉलर का अतिरिक्त आयात बिल चुकाना पड़ेगा।

2०22 से रूसी तेल की खरीद में काफी वृद्धि हुई। आज भारत के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 35.०1ब्र है। हालांकि भारत ने धीरे-धीरे रूसी तेल आयात में कमी लाई है क्योंकि 2०22 में अमेरिका और यूरोप द्वारा रूसी तेल मूल्य पर कैप लगाने से भारत को काफी मुनाफा हुआ। अमेरिका के अंदर ट्रंप की इस नीति के विरु द्ध कई स्तरों पर आवाज उठ रहे हैं। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगडी मिक्स ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ युद्ध ने अमेरिका भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के वर्षों में किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बौल्टन ने लिखा है कि चीन के मुकाबले भारत पर कठोर व्यापार शुल्क लगाना ट्रंप की बड़ी भूल है। मित्र और दुश्मन दोनों पर समान रूप से शुल्क लगाकर अमेरिका ने दशकों में बनी भरोसे की पूंजी कमाई है। सीमा शुल्क बढ़ने से उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद महंगे होंगे और अनेक क्षेत्रों में नौकरियां जानें आदि की समस्याएं पैदा हो रही है। भारत दबाव में आने वाला देश नहीं है और इससे हमें कोई लाभ भी नहीं होने वाला।

(लेख में विचार निजी हैं)

अमेरिका से बिगड़ते संबंध

आवश्यक है कि विदेश नीति में किसी परिवर्तन से पहले उसके सभी आयामों पर गंभीरता से विचार हो। सिर्फ अमेरिका को सख्ती का संकेत देने के लिए अथवा जज्बाती प्रतिक्रिया में ऐसा करना भारत के हित में नहीं होगा।

अमेरिका से बिगड़ते संबंधों के साथ भारत में अचानक चीन से रिश्ते सुधारने और रूस से संबंध और गहरा करने की जरूरत पर अधिक जोर दिया जाने लगा है। संकेत हैं कि भारत सरकार ने इससे संबंधित प्रक्रियाओं को तेज कर दिया है। उधर, ऐसा लगता है कि चीन ने इस नई परिस्थिति में अपने लिए अवसर देखा है। भारत और अमेरिका के बीच दरार चौड़ी हो जाए, तो चीन के लिए यह अच्छी स्थिति होगी। यह अमेरिका की चीन को घेरने की रणनीति के लिए एक झटका होगा, जिसे स्वरूप देने में गुजरे डेढ़ दशक में अमेरिका ने अपनी काफी ऊर्जा लगाई है। तो खबर है कि चीन ने भारत को उर्वरकों के निर्यात रोकने की नीति में ढिलाई दे दी है और कथित रबर डंपिंग के मामले में भारत के खिलाफ जांच रोक दी है। इधर भारत ने दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करने का ठोस संकेत दिया है। इसी बीच खबर आई है कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी 18 अगस्त को भारत आये। वांग सीमा विवाद पर वार्ता के लिए चीन के विशेष प्रतिनिधि भी थें। नई दिल्ली में भारत के विशेष प्रतिनिधि अजित डोवल से उनकी हुई। साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर मास्को गये। ये तमाम कूटनीतिक गतिविधियां शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तय चीन यात्रा से पहले हो रही हैं।

भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ ?

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन इंडिया' के नेताओं की राहुल गांधी के नए सरकारी आवास पर बैठक हुई और सबने जरूरी राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के बाद एक साथ भोजन भी किया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया' ब्लॉक के नेताओं को भोजन कराया। लेकिन इस भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ? क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस गठबंधन के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाए थे उनका जवाब मिल गया?

क्या यह स्थापित हो गया कि विपक्षी गठबंधन उसी स्वरूप में बना हुआ है, जिस स्वरूप में यह अपने गठन के समय था और आज भी इसका उद्देश्य वही है, जो 2०23 के जून महीने में पटना के एक, अणे मार्ग में तय हुआ था? ये सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले छह महीने में कई नेता इंडिया' ब्लॉक के अस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं और कह चुके हैं कि इसका गठन लोकसभा चुनाव 2०24 के लिए किया गया था। यानी लोकसभा चुनाव 2०24 खत्म तो इसका अस्तित्व भी खत्म! संसद सत्र में जो एकजुटता दिख रही है वह भी सिर्फ मानसून सत्र के लिए है और उसे दीर्घकालिक एकजुटता नहीं समझना चाहिए।

वास्तविकता यह है कि विपक्षी गठबंधन यानी इंडिया' ब्लॉक का अब वैसे ही अस्तित्व नहीं है, जैसे यूपीए का नहीं रहा। ध्यान रहे 2००4 के लोकसभा चुनाव के बाद यूपीए का गठन हुआ था। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे और सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन बनी थीं। यह गठबंधन 2०14 के लोकसभा चुनाव तक बना रहा। लेकिन 2०14 का चुनाव हारने के बाद यह समाप्त हो गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय बना एनडीए आज तक चल रहा है। कई बार चुनाव हारने के बाद भी एनडीए बना रहा लेकिन एक बार चुनाव हारते ही यूपीए समाप्त हो गया। वैसे ही 2०24 के चुनाव से पहले इंडिया' का गठन हुआ और चुनाव नतीजों के बाद धीरे धीरे इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। अभी निकट भविष्य में इसके रिवाइवल की संभावना नहीं दिख रही है। फिर कभी विपक्षी गठबंधन फिर बना तो हो सकता है कि उसका नाम कुछ और हो।

वैसे भी राज्यों में इंडिया' ब्लॉक नाम से कोई गठबंधन नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी गठबंधन को महाविकास अघाड़ी' कहते हैं, जिसका नेतृत्व किस पार्टी के हाथ में है यह किसी को पता नहीं है। बिहार में इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व राजद के हाथ में है। बिहार के पड़ोसी झारखंड में भी इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाथ में है। तमिलनाडु में इसका नाम सेकुलर प्रोग्रेसिव एलायंस' है, जिसकी कमान एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके संभालती है। केरल में भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी ताकत नहीं है। वहां कांग्रेस के नेतृत्व में एक गठबंधन है, जिसका नाम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी यूडीएफ है।

इसकी लड़ाई सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट से होती है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ मिल कर इंडिया' ब्लॉक के बैनर तले लोकसभा का चुनाव लड़े थे। विधानसभा चुनाव में इनका गठबंधन कैसे बनता है यह देखने वाली बात होगी। यह बहुत दिलचस्प बात है कि केरल को छोड़ कर जिस प्रदेश में कांग्रेस मजबूत है वहां कोई प्रादेशिक गठबंधन नहीं है। कर्नाटक से लेकर तेलंगाना और मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ और गुजरात से लेकर राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि सभी राज्यों में कांग्रेस अपने भरोसे है।

बहरहाल, लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष का गठबंधन कोई परफेक्ट नहीं था। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कोई तालमेल नहीं किया था। विपक्षी गठबंधन की पार्टियां अलग अलग लड़ी थीं तो केरल में कांग्रेस और सीपीएम के नेतृत्व वाले गठबंधन में कोई तालमेल नहीं हुआ था। यह एक टैक्टिकल पोजिशन थी, जो पार्टियों ने राज्यों की राजनीतिक वास्तविकता को ध्यान में रख कर चुनी थी। लोकसभा चुनाव के बाद इस टैक्टिकल पोजिशन में भी बिखराव हुआ है और स्ट्रैटिजिकल पोजिशन भी पहले वाली नहीं है। लोकसभा चुनाव साथ मिल कर लड़ी आम आदमी पार्टी अब गठबंधन से अलग हो गई है।

विधानसभा चुनाव के लिए ममता बनर्जी साथ नहीं आ रही हैं तो केरल में भी यूडीएफ और एलडीएफ को एक दूसरे के खिलाफ ही लड़ना है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में साथ रही उद्धव ठाकरे की शिव सेना के बारे में पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि वह स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के साथ है। उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे से हाथ मिला लिया है तो वैसे भी कांग्रेस के लिए स्पेस कम हो गया है। ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय का चुनाव इंडिया' ब्लॉक की पार्टियां अलग अलग लड़ेंगी।

सो, संसद में विपक्ष की एकता या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बुलावे पर विपक्षी नेताओं के जुटने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया' ब्लॉक रिवाइव हो रहा है या उसको मजबूती मिल रही है। संसद सत्र के दौरान सदन में बाहर भी मौजूदा एकजुटता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर है। विपक्षी पार्टियां इस मसले पर एकजुट हैं। उन्होंने अरसे बाद सड़क पर उतर कर ताकत दिखाई, जब विपक्षी सांसदों ने निर्वाचन सदन की ओर मार्च किया। उनको लग रहा है कि मतदाता सूची में होने वाला बदलाव उनको स्थायी रूप से सत्ता से दूर कर सकता है। इसलिए सभी पार्टियां साथ आ गई हैं।

मतदाता सूची, ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया में दूसरी कथित गड़बड़ियों के नाम पर चुनाव आयोग से लड़ने में सभी पार्टियां साथ हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उनमें कोई चुनावी तालमेल होने जा रहा है।

चुनावी तालमेल उन्हीं राज्यों में होगा, जहां पहले से है। यानी यथास्थिति बनी रहेगी। बिहार में इस साल महागठबंधन' साथ में चुनाव लड़ेगा तो अगले तमिलनाडु में भी विपक्षी गठबंधन एक होकर लड़ेगा। लेकिन इसके अलावा पश्चिम बंगाल, असम और केरल में इंडिया' ब्लॉक की पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ लड़ेंगी। विपक्षी एकजुटता तो तब मानी जाएगी, जब पश्चिम बंगाल और असम में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट के बीच और केरल में यूडीएफ व एलडीएफ के बीच कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष गठबंधन बने। इसकी संभावना नहीं दिख रही है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

अतिवृष्टि से संकट में जनजीवन

विशेष संवाददाता

देहरादून। एक और जहां आसमान से बरस रही आफत की बारिश ने उत्तराखंड वासियों का जीवन दूभर कर दिया है वहीं दूसरी ओर अनेक अप्राकृतिक झीलों से एक ऐसा अदृश्य खतरा लोगों के सर पर मंडरा रहा है जो कभी भी उनका सब कुछ खत्म कर सकता है और बिना बरसात के भी उनके सामने धराली और थराली जैसे भयंकर हालात पैदा कर सकता है।

धराली में आई आपदा के 24 दिन बाद भी गंगोत्री हाइवे बंद पड़ा है। धराली में खीर गंगा ने एक बड़े क्षेत्र को 30-35 फीट मलबे और पत्थरों के नीचे दफन कर दिया। इस दौरान हर्षिल में बनी एक कृत्रिम झील अभी क्षेत्र के लिए बड़ा खतरा बनी हुई है। इस झील का जलस्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है तथा गंगोत्री हाईवे का बड़ा है हिस्सा अभी भी इस झील में डूबा हुआ है। उधर थराली में 6 दिन पूर्व आई आपदा में भले ही जनहानि उतनी न हुई हो लेकिन सैलाब के साथ आए मलवे से दर्जनों घरों और दुकानों का भारी नुकसान हुआ है। स्यानाचट्टी से ऊपर इस दौरान बनी झील और यमुनोत्री मार्ग पर बने पुल को खतरा पैदा हो गया है तथा पुल के ऊपर तक पानी पहुंच गया है। इस पुल को बचाने में आपदा प्रबंधन और बीआरओ की टीमे जुटी हुई है।

❑कृत्रिम झीलों से राज्य को भारी खतरा
❑चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट
❑गंगोत्री हाईवे अभी भी पानी में डूबा
❑यमुनोत्री हाइवे पर बना पुल भी खतरे में

राज्य में 13 ऐसी ग्लेशियर झीलें बन चुकी हैं। जिनमें पांच तो ऐसी हैं जो कभी भी फट सकती हैं और भारी तबाही का सबब बन सकती हैं। जिसमें चमोली की वसुंधारा झील भी एक है। उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ के लिए यह झीले किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। राज्य में हो रही भारी बारिश के कारण जहां गंगोत्री धाम की यात्रा तो बंद हो ही चुकी है वहीं केदारनाथ और बद्रीनाथ हाईवे भी जगह-जगह बाधित है।

आसमान से हो रही आफत की बारिश से राज्य की नदियां नाले उफान पर हैं। आज रामनगर में खिचड़ी नदी में एक कार पानी में बह गई जिसमें सवार दो लोगों को बमुश्किल रेस्क्यू कर जान बचाई गई। मौसम विभाग द्वारा आज फिर राज्य के चार जिलों में अगले 48 घंटे में भारी बारिश होने की संभावना के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में देहरादून, पौड़ी, नैनीताल और बागेश्वर शामिल है। राजधानी दून में आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है जिसके कारण कई क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है। शासन द्वारा सभी जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है कि वह सतर्क रहें।

प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर प्रीतम सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चकराता विधायक प्रीतम सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), उत्तराखंड से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कांग्रेस ने विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा का उल्लेख किया। अंकिता भंडारी हत्या, हरिद्वार में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अनामिका शर्मा की बेटी के साथ हुए दुष्कर्म जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा गया कि राज्य की बेटियां भाजपा शासन में असुरक्षित हैं। साथ ही पौड़ी के जितेंद्र नेगी आत्महत्या प्रकरण में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी को मुख्य अभियुक्त बताते हुए आरोप लगाया कि अपराध और ठगी का व्यापार सत्ताधारी दल के संरक्षण में फल-फूल रहा है। ज्ञापन में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में हुई कथित धांधली और गुंडागर्दी का भी जिक्र किया गया। नैनीताल और बेतालघाट में चुनाव के दौरान अपहरण और खुलेआम हथियार चलाने की घटनाओं का हवाला देते हुए कांग्रेस ने कहा कि यह लोकतंत्र की खुलेआम हत्या के प्रयास के समान है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन की कथित लापरवाही पर भी चिंता जताई और सभी अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में लगातार घट रही अपराध की घटनाओं से आमजन भयग्रस्त हैं और राज्य की कानून व्यवस्था व अस्मिता को गंभीर चोट पहुंच रही है। इस अवसर परपूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, दीवान सिंह तोमर, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पुरोला, जिलाध्यक्ष हरी मोहन नेगी, टिहरी जिलाध्यक्ष राकेश राणा और मोहन खत्री भी मौजूद रहे।

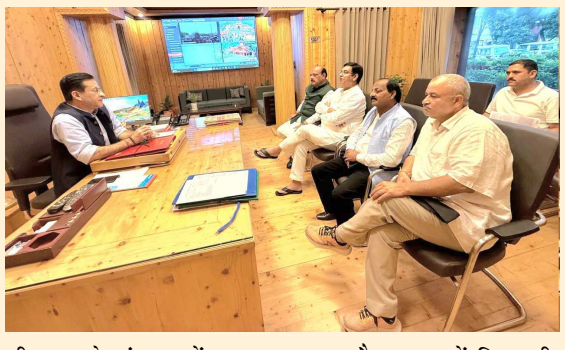

समाज के आदर्श बनें युवा खिलाड़ीः आर्या

संवाददाता

देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने 20 स्कूलों के चैंपियन खिलाडियों को सम्मानित करते हुए कहा कि युवा खिलाडी समाज के आदर्श होते हैं।

आज यहां खेल मंत्री रेखा आर्या ने ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में आयोजित राइजिंग स्टार कार्यक्रम में 20 स्कूलों के

❑20 स्कूलों के चैंपियन खिलाड़ियों को किया सम्मानित'

चैंपियन खिलाड़ियों को सम्मानित किया। यह आयोजन राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में किया गया था। कार्यक्रम में देहरादून शहर के कुल 20 स्कूलों के 80 खिलाड़ी शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खिलाड़ी पूरे समाज का आदर्श होता है और उसकी ख्याति की कोई सीमारेखा नहीं होती। खेल मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में बहुत तेजी के साथ खेल संस्कृति विकसित हो रही है और इससे यहां आने वाले समय में बड़ी

संख्या में चौंपियन खिलाड़ी तैयार होंगे। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि 38वें नेशनल गेम्स, अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले प्रदेश के सैकड़ो खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस पर उनकी नगद इनाम धन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड छोटा राज्य होने की बावजूद अपने चौंपियन खिलाड़ियों को जितनी नगद इनाम धनराशि दे रहा है वह खिलाड़ियों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पदक जीतने पर आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी व सामान्य भर्ती में खिलाड़ियों को 4% आरक्षण के फैसले से प्रदेश में खिलाड़ियों को आगे लाने में मदद मिल रही है। इस अवसर पर प्रो. (डा.) ज्योति छाबड़ा, कार्यकारी कुलपति एवं विभागाध्यक्ष, फैशन डिजाइन, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, डॉ. सुभाष गुप्ता, निदेशक (इंफ्रास्ट्रक्चर), अमित गम्भीर, साहिब सबलोक सहित स्कूलों के खेल प्रशिक्षक आदि मौजूद रहे।

युवक से बार के संचालक व कर्मचारियों की मारपीट

संवाददाता

देहरादून। घर जा रहे युवक पर बार व पब के संचालक व कर्मचारियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पीडित ने पुलिस को तहरीर दे दी लेकिन पुलिस ने अभी तक इस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेसकोर्स निवासी तरूण वासन ने राजपुर थाने में दी तहरीर में बताया कि वह अपने भाई वरूण वासन, सिद्धार्थ वासन, अभिषेक मगलानी व भावुक घई के साथ एक कार्यक्रम से वापस घर की तरफ जा रहे थे। वह जलपान के लिए रोमिया लेन में रूके। पार्किंग में अत्याधिक भीड होने पर उसके द्वारा अपने भाई व अन्यों को वहीं उतारकर पिरामिड लेन के पीछे स्थित अपने निजी प्लाट पर वाहन पार्क करने के लिए जाने लगा तो गेट पर बार व पब के गार्ड व बाउंसर ने उसको रोक दिया और उसके साथ गाली गलौच करने लगे और कहने लगे कि यहां पर उनकी गाडियां खडी होती हैं। उसने उनको बताया कि अन्दर उसका अपना प्लाट है यहां पर भीड होने के कारण वह अपने प्लाट में गाडी खडी करने जा रहा है। जिसके बाद उन लोगों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इसी दौरान बार के मालिक शर्मा भी वहां पर आ गया और उसने भी उसके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट करनी शुरू कर दी। उसको बचाने के लिए जब उसका भाई सिद्धार्थ वहां पर आया तो उन्होंने उसको भी नीचे गिराकर बुरी तरह से पीटा और दोनों को खसीट कर अन्दर ले गये। जिसके बाद उसके परिचित उनको बचाने आये और बडी मुश्किल से उनको बाहर निकाला। उसने जब 100 नम्बर पर पुलिस को फोन किया तो उन्होंने कहा कि बुला ले पुलिस को हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड सकता है। उसके भाईयों ने किसी तरह उसको बडी मुश्किल से उनके चंगुल से बचाया और कार में डालकर उसको ले गये। रात्रि में कोई अस्पताल खुला ना होने के कारण उसने सुबह अपना मेडिकल कराया। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है।

चिन्हित वेडिंग जोन में स्थापित करने की कार्रवाही में आयी गति

संवाददाता

हरिद्वार। स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को पुनः सर्वे करके सभी चिन्हित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को गति प्रदान की गई।

आज यहां उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को आगे बढाते हुए वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर सिंह तालियान की अध्यक्षता में फेरी समिति सदस्यों की बैठक नगर निगम सभागार में आयोजित की गई। बैठक में रोड़ी बेल वाला ,पंतदीप ,रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अपर रोड, ज्वालापुर, हरिद्वार, कनखल इत्यादि क्षेत्रों के रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को पुनः सर्वे करके सभी चिन्हित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को गति प्रदान की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी अतिक्रमण अभियान प्रभारी अधिकारी गंभीर सिंह तालियान ने कहा जिला अधिकारी नगर आयुक्त के संयुक्त निर्देशन में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली

के नियम अनुसार समस्त नगर निगम क्षेत्र में नगर निगम में पंजीकृत सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को पूर्व के चिन्हित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को लेकर फेरी समिति के सदस्यों के सुझाव को उच्च अधिकारियों के समक्ष प्रेषित कर आगे के दिशा निर्देश पर योजना व तरीके से कारवाई की जाएगी। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना राष्ट्रीय आजीविका मिशन उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली को क्रियान्वित करते हुए सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की सार्थक पहल नगर निगम प्रशासन द्वारा किए जाने का वह स्वागत करते हैं उन्होंने कहा शीघ्र ही सभी चिन्हित वेंडिंग जोन का सर्वे कराकर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम की ओर से लाइसेंस निर्गत कराए जाएंगे। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर सिंह तालियान की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में सम्मिलित हुए नगर निगम फेरी समिति सदस्यों में संजय चोपड़ा, राजकुमार ,कमल सिंह, तस्लीम अहमद, मोनू कुमार ,सुमन गुप्ता ,आशा कश्यप, पूनम माखन, कामिनी मिश्रा, नीतीश अग्रवाल, सोनू गुप्ता ,लालचंद गुप्ता, सुनील कुकरेती प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शराब पिलाकर लूटा मोबाइल व मोटरसाईकिल, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। शराब पिलाकर मोबाइल फोन व मोटरसाईकिल लूटने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट का सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेह सिंह चौहान पुत्र केदार सिंह चौहान हाल निवासी चकराता रोड लाईन जीवनगढ, कोतवाली विकासनगर, ने कोतवाली विकासनगर पर शिकायत दर्ज करायी की वन विभाग के बाडवाला क्षेत्र स्थित बैरियर के पास वह अपने एक परिचित शहीद के साथ बैठकर शराब पी रह थे, इस दौरान शहीद द्वारा उनके लोअर की जेब से मोबाईल आईफोन, एटीएम, कुछ पैसे तथा उनकी मोटरसाईकिल सुपर स्पैलण्डर को लेकर मौके से फरार हो गया, जिसे उनके द्वारा काफी तलाश किया गया किन्तु कोई पता नही चल पाया। फतेह सिंह की शिकायत पर थाना विकासनगर में विपक्षी शहीद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

घटना के खुलासे तथा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा आवश्यक निर्देश दिये गये, जिस पर प्रभारी निरीक्षक विकासनगर द्वारा कोतवाली विकासनगर पर टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेजों का बारीकी से अवलोकन करते हुए घटना के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गयी तथा घटना में नामजद आरोपी के पते पर दबिश दी गई किन्तु वह अपने घर से फरार मिला, देर रात्रि मिली सूचना पर बीडीएम स्कूल के विपरित झाडियों के पास से शहीद पुत्र सफीक को घटना में छीने गये एक एंड्राइड मोबाइल आईफोन ब्लैक कलर, एक एटीएम (डीसीबी), एक मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेन्डर वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

करोड़ो की साइबर ठगी का ईनामी मास्टर माइंड गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। करोड़ों रूपये की साइबर ठगी के मास्टर मांइड 25 हजार के ईनामी अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से भारी मात्रा में मोबाइल, एटीएम कार्ड चैकबुक व अन्य दस्तावेज बरामद हुए है। आरोपी पर मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

जानकारी के अनुसार बीती 29 मई को हरबंस लाल पुत्र स्व. भोगी राम हाल निवासी शान्ति कालोनी वार्ड न. 16 रूद्रपुर जिला उधम सिंह नगर ने कोतवाली रूद्रपुर में तहरीर देकर बताया कि उनके बैंक खाते से 13 मई को 5 हजार, 19 मई को 49,999.99 रुपये कुल 54,999 किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधडी कर निकाल लिये गये है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मामले में पुलिस की जांच के दौरान फरार चल रहे आरोपियों अजय सैनी, मनोज सैनी पुष्पेन्द्र, सत्यपाल, विशुराज, रितिक, शेरु चौहान, को पूर्व में गिरफ्तार कर लिये गये। जिनके कब्जे से 6 मोबाईल, 12 एटीएम कार्ड, 13 चैक बुक, 21 भरे हुए चैक, 4 पासबूक, 2 क्यूआर स्कैनर, 1 डोंगल एयरटैल, 1 डायरी, आधार कार्ड, पैन कार्ड बरामद किया गया था। घटना में फरार आरोपियों रोहित सोनी, बसंत, रोहित कुमार, की तलाश हेतू राज्यो में दबिश दी जा रही थी। घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहे शातिर आरोपी रोहित सोनी पुत्र सुनील सोनी निवासी इन्द्रा नगर कुबेर आश्रम के सामने थाटीपुर ग्वालियर मध्य प्रदेश उम्र-25 वर्ष के खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारण्ट व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 25,000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। आज पुलिस टीम द्वारा फरार चल रहे आरोपी रोहित सोनी को कोर्ट के पास रुद्रपुर नैनीताल रोड उधमसिंह नगर से हिरासत में लिया गया है। जिसके द्वारा अपने साथियो के साथ मिलकर धोखाध डी की घटना कारित करना बताया गया है।

कार की चपेट में आकर तीन घायल, चालक हिरासत में

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गये। पुलिस ने तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया। वही कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज थाना प्रेमनगर में सूचना प्राप्त हुई की, एक वाहन स्विफ्ट कार नंबर के द्वारा टोम्स फूड पार्क रेस्टोरेन्ट के सामने एक स्कूटी व उसके पास पैदल चल रहे दो अन्य व्यक्तियों को टक्कर मार दी है, जिसमे 03 व्यक्ति सामान्य घायल हो गए है। सूचना पर थाना प्रेमनगर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर तीनो घायलों को उपचार हेतु सीएससी प्रेमनगर भिजवाया गया। दुर्घटना में तीनो घायलों को सामान्य चोट आयी है। दुर्घटना कारित करने वाले वाहन चालक को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर वाहन को कब्जे में लिया गया है। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम कैलाश पुत्र वेद प्रकाश निवासी बाया खाला, सेलाकुई, देहरादून बताया। वहीं घायलों ने अपने नाम राजू साहनी पुत्र बिल्टू साहनी पता अंबेडकर कॉलोनी होटल गोल्डन लीव के पास झाझरा, रेखा साहनी पत्नी राजू साहनी पता अंबेडकर कॉलोनी होटल गोल्डन लीव के पास झाझर, चंद्र जायसवाल पुत्र हरिश्चंद्र पता नंद की चौकी, प्रेमनगर बताया।

करोड़ो की भालू की पित्त व लाखों की चरस के साथ तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। करोड़ो रूपये की भालू की पित्त व लाखों की चरस के साथ पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार देर रात एक सूचना के आधार पर पुलिस, एसओजी व वन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को गलाती पुल के पास धारचुला की ओर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब से रूकने का इशारा किया गया तोक वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2 किलो 300 ग्राम चरस तथा 175 ग्राम भालू की पित्त बरामद हुई। जिसे वह बेचने के लिये वह पिथौरागढ़ की ओर जा रहा था।

पूछताछ में उसने अपना नाम सूर्य बहादुर बुढ़ाथोकी पुत्र चन्द्र बहादुर बुढ़ाथोकी निवासी सर्मी गांव वार्ड न. 1 जिला डोल्पा नेपाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ कोतवाली धारचुला में एनडीपीएस व वन्य जीव संरक्षण अधि नियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

चोरी की दो स्कूटी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की दो स्कूटियों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरगोपाल अग्रवाल पुत्र रंगीलाल निवासी आदर्श ग्राम थाना ऋषिकेश द्वारा कोतवाली ऋषिकेश पर एक लिखित तहरीर दी कि आदर्शग्राम ऋषिकेश से उनकी स्कूटी चोरी कर ली है। तहरीर के आधार पर कोतवाली ऋषिकेश पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे लगभग 120 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से जांच करते हुए संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी।

प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी/पतारसी करते हुए साथ ही पूर्व में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आये लोगों की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप चैकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा मिली सूचना पर जंगलात बैरियर के पास से 02 लोगों को हिरासत में लिया। जिन्होंने अपने नाम कुलदीप सिह पुत्र टीकम सिह तथा माइकल एड्रूस पुत्र स्व. डैनी को उक्त घटना में चोरी की गयी स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से सख्ती से पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वे दोनो नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उनके द्वारा उक्त वाहन चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था, साथ ही पूर्व में प्रेमनगर क्षेत्र से भी उनके द्वारा एक अन्य स्कूटी को चोरी किया गया था, जिसे उन्होने लच्छीवाला के जंगलों में छिपा रखा था। आरोपियों की निशानदेही पर लच्छीवाला के जगंलों से आरोपियों द्वारा प्रेमनगर से चोरी कर छिपाई गयी स्कूटी को बरामद किया गया।

आरोपी उक्त स्कूटियों को अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिय सस्ते दामों में बेचने की फिराक में थे, किन्तु गाडियों के कागज नहीं होने के कारण उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला, जिस पर आरोपियों की उक्त स्कूटियों को जनपद से बाहर अन्यत्र ले जाकर बेचने की योजना थी पर इससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।